7. तुलसी के दोहे

1. 'तुलसी के दोहे' कविता किस प्रकार की साहित्यिक विधा है ?

   'तुलसी के दोहे' कविता साहित्यिक विधा में 'दोहा' है।

2. तुलसी के दोहे के कवि कौन है ?

   गोस्वामी तुलसीदास

3. तुलसीदास हिंदी साहित्य के किस काल के कवि हैं ?

   भक्तिकाल

4. तुलसीदास जी किस शाखा के कवि हैं ?

   रामभक्ति शाखा

5. तुलसीदास जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

   सन् 1532 में राजापुर (उ.प्र) में

6. तुलसीदास जी के माता-पिता का नाम क्या था ?

   माता हुलसी और पिता आत्माराम थे।

7. तुलसीदास जी के बचपन का नाम क्या था ?

   रामबोला

8. तुलसीदास किस के अनन्य भक्त थे ?

   भगवान राम

9. तुलसीदास जी की प्रमुख रचनाएँ लिखिए।

   श्रीरामचरित मानस, विनय-पत्रिका, गीतावली, दोहावली और कवितावली।

10. तुलसीदास की मृत्यु कब हुई ?

    सन् 1623 में

11. मुखिया को किस के समान होना चाहिए ?

    मुख

12. तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं ?

    सारे अंगों का पालन-पोषण करनेवाला

13. तुलसी के अनुसार सारे अंगों का पालन-पोषण कौन करता है ?

    मुख (मुँह)

14. तुलसी के अनुसार मुखिया कैसा होना चाहिए है ?

    विवेकवान

15. मुखिया किस तरह काम करना चाहिए है ?

    मुखिया काम अपनी तरह करके, उसका फल सभी में (समाज में) बाँटना चाहिए।

16. तुलसीदास संत की तुलना किससे कर रहे हैं ?

    हंस पक्षी के साथ

17. सृष्टिकर्ता ने इस संसार को कैसे बनाया है ?

जड़, चेतन और गुण-दोष से मिलाकर

18. हंस का गुण कैसा होता है ?

हंस पानी को छोड़कर सिर्फ दूध को अपनाता है ।

19. मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए ?

साधु लोग (मनुष्य) पानी रूपी विकारों को छोड़कर, दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए ।

20. संत के गुण कैसे होने चाहिए ?

हंस पक्षी की तरह

21. दया किस का मूल है ?

धर्म

22. अभिमान किस का मूल है ?

पाप

23. तुलसीदास के अनुसार मानव क्या बनना चाहिए है ?

मानव अभिमान छोड़कर, दयालु बनना चाहिए है ।

24. तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं ?

विद्या , विनय और विवेक

25. राम पर भरोसा करनेवाला क्या बनता है ?

साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान

26. देहरी पर दिया रखने से कहाँ प्रकाश फैलता है ?

घर के भीतर तथा आँगन में

27. मानव की आंतरिक और बाह्य शुध्दि कैसे होती है ?

राम-नाम जपने से

28. मानव के जीवन में प्रकाश कब फैलता है ?

राम-नाम जप से आंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है, तब मानव के जीवन में प्रकाश फैलताहै

29. मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है ?

देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है । इस तरह शुध्दि होने से मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश फैलता है ।